(ISSN: 2393-8048)

International Seminar on September 16th, 2024
"Exploring the Frontiers of Interdisciplinary Research (ICEFIR-2024)"
Organized By: Nagpal Charitable Trust, Sri Ganganagar
Venue: Maharaja Agrasen Vidya Mandir School, Sri Ganganagar

महिलाओं का आत्मनिर्भरता में ग्रामीण विकास की योजना का महत्व

योगेन्दर वत्स, वाणिज्य विभाग, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, गजरौला, अमरोहा (उत्तर प्रदेश) भारत

सारांश

ग्रामीण महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में ग्रामीण विकास की योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत में महिलाओं की आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वास्थ्य, निर्णय लेने की क्षमता, वित्तीय समावेशन और सामाजिक सम्मान भी शामिल हैं। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना है। स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण रोजगार, कौशल विकास, स्वरोजगार, वित्तीय सहायता तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली योजनाएँ ग्रामीण महिलाओं को आय के स्थायी स्रोत उपलब्ध कराने में सहायक होती हैं। इन योजनाओं के माध्यम से महिलाएँ बचत, ऋण, लघु उद्यम, कृषि एवं गैर-कृषि गतिविधियों तथा स्थानीय रोजगार के अवसरों से जुड़कर आर्थिक रूप से सक्षम बन सकती हैं।

ग्रामीण विकास योजनाएँ महिलाओं में नेतृत्व क्षमता, सामूहिक निर्णय, वित्तीय जागरूकता और सामाजिक भागीदारी को भी प्रोत्साहित करती हैं। इसके परिणामस्वरूप परिवार तथा समुदाय में महिलाओं की निर्णय लेने की भूमिका मजबूत होती है। हालांकि, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में अशिक्षा, जागरूकता का अभाव, सामाजिक रूढ़ियाँ, संसाधनों तक सीमित पहुँच, डिजिटल विभाजन और प्रशासनिक कठिनाइयाँ जैसी चुनौतियाँ बाधक बनी हुई हैं। अतः योजनाओं की सफलता के लिए पारदर्शी क्रियान्वयन, स्थानीय स्तर पर जागरूकता, कौशल प्रशिक्षण, डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता तथा प्रभावी निगरानी आवश्यक है। निष्कर्षतः ग्रामीण विकास योजनाएँ महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के साथ-साथ उन्हें सामाजिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने का प्रभावी माध्यम हैं।

बीज शब्द: महिला आत्मनिर्भरता, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तीकरण, स्वयं सहायता समूह, रोजगार, कौशल विकास, वित्तीय समावेशन, ग्रामीण महिलाएँ, स्वरोजगार, सामाजिक विकास।

Quality Of Work... Never Ended...